दो साल बाद पांच हजार मेगावाट बिजली

संवाददाता ■ पटना

अगले साल जून से हर छह-छह महीने बाद बिहार को 500-500 मेगावाट अधिक बिजली मिलेगी. केंद्रीय सेक्टर से तो कोटा बढ़ेगा ही, सूबे के थर्मल पावर प्लांटों के उत्पादन में भी वृद्धि होगी. हर प्रखंड में एक-एक सब स्टेशन बनाया जायेगा और उनकी क्षमता भी बढ़ायी जायेगी. ये बातें मंगलवार को विधानसभा में ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहीं. वे अपने विभाग के लिए 10 अरब, 80 करोड़, 26 लाख की अनुपूरक मांग पर बोल रहे थे. कांग्रेस के सदानंद सिंह के कटौती प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया. ऊर्जा मंत्री ने कहा, बिहार के अपने पावर प्लांटों से वर्ष 2013 से 445 मेगावाट बिजली का उत्पादन होने लगेगा. नवगछिया में 660 मेगावाट का प्लांट बैठाया जायेगा. इसके लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो गया है. बाढ़ थर्मल से भी बिहार को 660 मेगावाट बिजली मिलेगी. इस प्लांट से जब पूरा उत्पादन शुरू हो जायेगा, तब बिहार को इससे 1200 मेगावाट बिजली मिलेगी. मुजफ्फरपुर में 195 मेगावाट की दो इकाइयां भी चालू होंगी. बरौनी से वर्ष 2015 तक 250 मेगावाट बिजली मिलने लगेगी. नवीनगर व रेलवे से भी 1000 व 225 मेगावाट बिजली मिलेगी. यानी वर्ष 2015 तक बिहार को 5000 मेगावाट बिजली मिलेगी. तब एक हजार मेगावाट बिजली की बचत भी होगी.

मंत्री ने कहा, बिहार के ट्रांसमिशन सेक्टर को अगले 25 वर्षों तक के लिए अपडेट करने की शेष पेज 19 पर

- निर्बाध आपूर्ति के लिए हर प्रखंड में बनेगा एक-एक सब स्टेशन
- पटना में ट्रांसमिशन को दुरुस्त करने पर खर्च होंगे पांच अरब
- सभी बीपीएल परिवारों के रोशन होंगे घर

कहां-कहां से मिलेगी बिजली

- 2013 तक अपने पावर प्लांटों से 445 मेगावाट, कांटी से 195 मेगावाट व बरौनी से 250 मेगावाट
- बाढ़ थर्मल से 660 मेगावाट, पूरा उत्पादन होने पर 1200 मेगावाट
- नवीनगर से 1000 मेगावाट
- नवगछिया में 660 मेगावाट
- रेलवे से 225 मेगावाट

दो साल बाद...

योजना बनायी गयी है. इस पर 15 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे. 20 जिलों में ट्रांसमिशन सेक्टर के लिए डीपीआर तैयार हो चुकी है, जिनमें 11 को स्वीकृति भी मिल गयी है. 12वीं पंचवर्षीय योजना के तहत राज्य के 38 जिलों के 100 प्रतिशत बीपीएल परिवारों को बिजली देने का लक्ष्य है. उन्होंने कहा, निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 71 शहरों में तार व पोल बदले जायेंगे. इस कार्य में सिर्फ पटना में पांच अरब रुपये खर्च किये जायेंगे. एशियन डेवलपमेंट बैंक से कर्ज लेकर इस योजना को अंजाम दिया जायेगा. रजौन, बांका, चौसा, कजरा व पीरपैंती में भी विद्युत उत्पादन केंद्र खोलने पर काम हो रहा है.